



श्री बलविन्दर कुमार ने केन्द्रीय भूगर्भीय प्रोग्रामिंग बोर्ड की 56वीं बैठक की अध्यक्षता की

भारत की विशाल खनिज संपदा के दोहन की आवश्यकता है : खान सचिव

Posted On: 09 FEB 2017 7:38PM by PIB Delhi

खान सचिव श्री बलविन्दर कुमार ने नई दिल्ली में खान मंत्रालय के भारत भूगर्भीय सर्वेक्षण (जीएसआई) के केन्द्रीय भूगर्भीय प्रोग्रामिंग बोर्ड (सीजीपीबी) की 56वीं बैठक का उद्घाटन किया। सदस्यों को संबोधित करते हुए श्री बलविन्दर कुमार ने कहा कि भारत के पास विशाल खनिज संसाधन हैं, जिसका दोहन नहीं किया गया है। इसके लिए जीएसआई तथा अन्य हितधारकों द्वारा चलाई जा रही भूविज्ञान की सभी गतिविधियों में तालमेल के लिए सीजीपीबी महत्वपूर्ण मंच है। खनन अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण क्षेत्र है और देश की जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान करता है। खनिज क्षेत्र में जनवरी 2015 में बने एमएमडीआर संशोधन अधिनियम के बाद से पिछले दो वर्षों में बड़ा परिवर्तन देखने को मिला है।

प्रमुख परिवर्तन हैं :

1. केवल नीलामी द्वारा खदानों का आवंटन।
2. जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) बनाना और पीएमकेकेवाई के माध्यम से खनन कार्य से प्रभावित लोगों के कल्याण के लिए एकत्रित कोष का उपयोग।
3. राष्ट्रीय खनिज खोज ट्रस्ट (एनएमईटी) बनाना।
4. राष्ट्रीय खनिज खोज नीति जुलाई, 2016 से लागू तथा
5. अवैध खनन के लिए पेनेल्टी में वृद्धि।

2016-17 में 21 खनन पट्टों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई और इससे 50 वर्षों में एकत्रित राजस्व के बराबर 94 हजार करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्त हुई। वर्ष 2017-18 खनन और खनिज क्षेत्र में महत्वपूर्ण साबित होगा, क्योंकि कई अन्य खदान ब्लॉकों की नीलामी शुरू होगी और खनन पट्टे का आवंटन किया जाएगा। वर्ष 2017-18 में लगभग 300 ऐसे पट्टे नीलामी के लिए उपलब्ध होंगे। जीएसआई ने क्षेत्रीय खोज के लिए एक सौ ब्लॉकों को चिन्हित किया है, जिन्हें उन्नत बनाया जाएगा।

अपतटीय क्षेत्र में 2015 तक बहुत कार्य नहीं हुए, क्योंकि स्पष्ट नियम लागू नहीं थे। खान मंत्रालय अब तटीय खनिज विकास अधिनियम का नया प्रारूप तैयार करने की योजना बना रहा है और यह दो से तीन महीने में बन जाएगी। इस अधिनियम से 30,000 करोड़ रुपये के अपतटीय संसाधनों का दोहन किया जा सकता है। श्रीबलविन्दर कुमार ने कहा कि अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी से युक्त नये भू-तकनीकी जहाज जीएसआई द्वारा खरीदे जा रहे हैं।

दो दिन की बैठक में बोर्ड सीजीपीबी की सभी 12 विषय संबंधी समितियों की सिफारिशों पर विचार करेगा। केन्द्रीय विद्युत कोयला, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा तथा खान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पीयूष गोयल ने सीजीपीबी की 56वीं बैठक के सभी सत्रों में सार्थक विचार-विमर्श के लिए शुभकामना व्यक्त की।

वीके/एजी/जीआरएस-352

(Release ID: 1482411) Visitor Counter : 7

